1. विभाग का नाम : यूजेवीएन लिमिटेड (पूर्व में उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम लि0)

2.1 विभाग का कार्य : विभाग की स्थापना वर्ष 1986 में हुई स्थापना के समय विभाग का नाम उत्तर प्रदेश अल्पार्थक एवं लघु जल विद्युत निगम था, जिसका मुख्य उददेष्य था कि उत्तर प्रदेश के दूरस्थ अथवा दुर्गम क्षेत्र जहां विद्युत आपूर्ति करना कठिन था, में छोटे–छोटे विद्युत गृह स्थापित कर, विद्युत उत्पादन कर विद्युत आपूर्ति करना। तत्पश्चात् कुछ वर्षों के बाद अल्पार्थक शब्द को हटाया गया और विभाग का नाम हो गया उत्तर प्रदेश लघु जल विद्युत निगम लि0 तदुपरान्त विभाग के नाम से लघु शब्द को भी हटा दिया गया वर्ष 2000 में राज्य विद्युत परिषद के विघटन के पश्चात् राज्य विद्युत परिषद द्वारा जितने भी जल विद्युत परियोजनायें थी समस्त जल विद्युत परियोजनाओं को इस विभाग में मर्ज कर दिया गया विघटन से पूर्व विभाग के पास छोटी–छोटी जल विद्युत परियोजनायें थी परन्तु वर्तमान में (राज्य विद्युत परिशद के विघटन के पश्चात् अथवा 14 जनवरी 2000 के पश्चात्) विभाग के पास छोटी एवं बडी जल विद्युत परियोजनायें समेकित हैं वर्तमान में प्रदेश में यूजेवीएन लिमिटेड द्वारा लगभग 1000 मेगावाट विद्युत का उत्पादन किया जा रहा है उत्तराखण्ड राज्य की स्थापना के पश्चात् इस विभाग द्वारा दूरस्थ क्षेत्रों में जल विद्युत परियोजनाओं के विकास में विशेष ध्यान दिया गया विद्युत खपत मानव प्रगति का प्रतीक है प्रचलित विद्युत उत्पादन जल स्रोतों को टेप कर जल विद्युत गृह का निर्माण किया जाता है जिसे अक्षय ऊर्जा के रूप में भी जाना जाता है एवं जल विद्युत परियोजनाओं से प्राप्त बिजली पर्यावरण को शुद्ध रखने में सहायक होने के कारण इसके उत्पादन को बढावा दिया गया साथ ही साथ जल विद्युत से प्राप्त विद्युत की लागत थर्मल पावर से प्राप्त विद्युत की अपेक्षा सस्ती होती है।

2.2 उददे्श्य :– दुर्गम क्षेत्रों में निवास करने वाले नागरिकों जिनका जीवन स्तर वर्तमान में भी काफी पीछे है को विद्युत आपूर्ति कर इस वैज्ञानिक युग में नये आविष्कारों से परिचित कराना ही हमारा मुख्य उददे्श्य है।

2.3 इतिहास :– जल विद्युत परियोजनाओं का इतिहास काफी पुराना है जो निम्नलिखित प्रकार से है :–

1. इस जिले में सर्वप्रथम गौडी परियोजना (2x100 किलोवाट) का निर्माण किया गया है जो कि वर्तमान में चम्पावत जिले में स्थापित है, का निर्माण सन् 1962 में तत्कालीन उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत परिषद द्वारा किया गया।

2. इस जिले की दूसरी परियोजना सुरिनगाड (2x400 किलोवाट) लघु जल विद्युत परियोजना है जो कि मुनस्यारी तहसील में स्थित है जिसका निर्माण सन् 1986 में किया गया था जो कि आज भी मुनस्यारी क्षेत्र में जो अभी तक ग्रिड से नहीं जुड पाया है वहां की (मुनस्यारी क्षेत्र) विद्युत आपूर्ति इसी परियोजना से की जा रही है।

3. तीसरी लघु जल विद्युत कोटाबाग (2x100 किलोवाट) लघु जल विद्युत परियोजना है जो कि नैनीताल जिले में हल्द्वानी से लगभग 40 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है जिसका निर्माण सन् 1989 में हुआ।

4. चौथी परियोजना कंचौटी (2x1000 किलोवाट) लघु जल विद्युत परियोजना है, यह परियोजना धारचूला से लगभग 33 किलोमीटर दूर स्थित है जो कि सन 1993 से उत्पादनरत है।

5. पॉचवी परियोजना सप्तेश्वर (2x150 किलोवाट) लघु जल विद्युत परियोजना है, जो कि चम्पावत जिले में स्थापित है, जिसका संचालन सन् 1994 से किया जा रहा है।

6. छटी परियोजना कुलागाड (2x600 किलोवाट) लघु जल विद्युत परियोजना है, जो कि धारचूला तहसील के अन्तर्गत है, जिसका संचालन सन् 1995 से किया जा रहा है।

7. सातवीं परियोजना छिरकिला (1x1000+1x500 किलोवाट) लघु जल विद्युत परियोजना है जो कि धारचूला से 29 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, का संचालन सन् 1997 से किया जा रहा ह।

8. आठवीं परियोजना बरार (2x375 किलोवाट) लघु जल विद्युत परियोजना है जो कि बेरीनाग तहसील के थल नामक स्थान पर स्थित है जो कि 1997 से उत्पादनरत है।

9. नवीं परियोजना छडनदेव (2x200 किलोवाट) लघु जल विद्युत परियोजना है जो कि कनालीछीना ब्लाक के अन्तर्गत आता है एवं कनालीछीना से लगभग 15 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है का संचालन सन् 2000 से किया जा रहा है।

10. दसवी परियोजना तालेश्वर (2x300 किलोवाट) लघु जल विद्युत परियोजना है जो कि झूलाघाट से लगभग 8 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है जिसका संचालन सन् 2000 से किया जा रहा है।

11. गरॉव (2x150 किलोवाट) लघु जल विद्युत परियोजना चम्पावत जिले में स्थित है जो कि सन् 2001 से उत्पादनरत है।

12. रेलागाड (2x1500 किलोवाट) लघु जल विद्युत परियोजना धारचूला से लगभग 15 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है जो कि सन् 2005 से उत्पादनरत है।

2.4 कार्मिकों का विवरण :—131

क्र.सं.	पदनाम	स्वीकृत पद	रिक्त पद	वेतन
01.	उपमहाप्रबन्धक	01	—	45000.00
02.	अधिशासी अभियन्ता	02	01	60000.00
03	सहायक अभियन्ता	04	—	100000.00
04	अवर अभियन्ता	11	03	165000.00
05	आपरेटिंग स्टाफ	33	04	396000.00
06	हैल्पर/चौकीदार	69	—	586000.00
07	मिनीस्ट्रीयल स्टाफ	21	08	283500.00

2.5 संगठन का स्वरूप

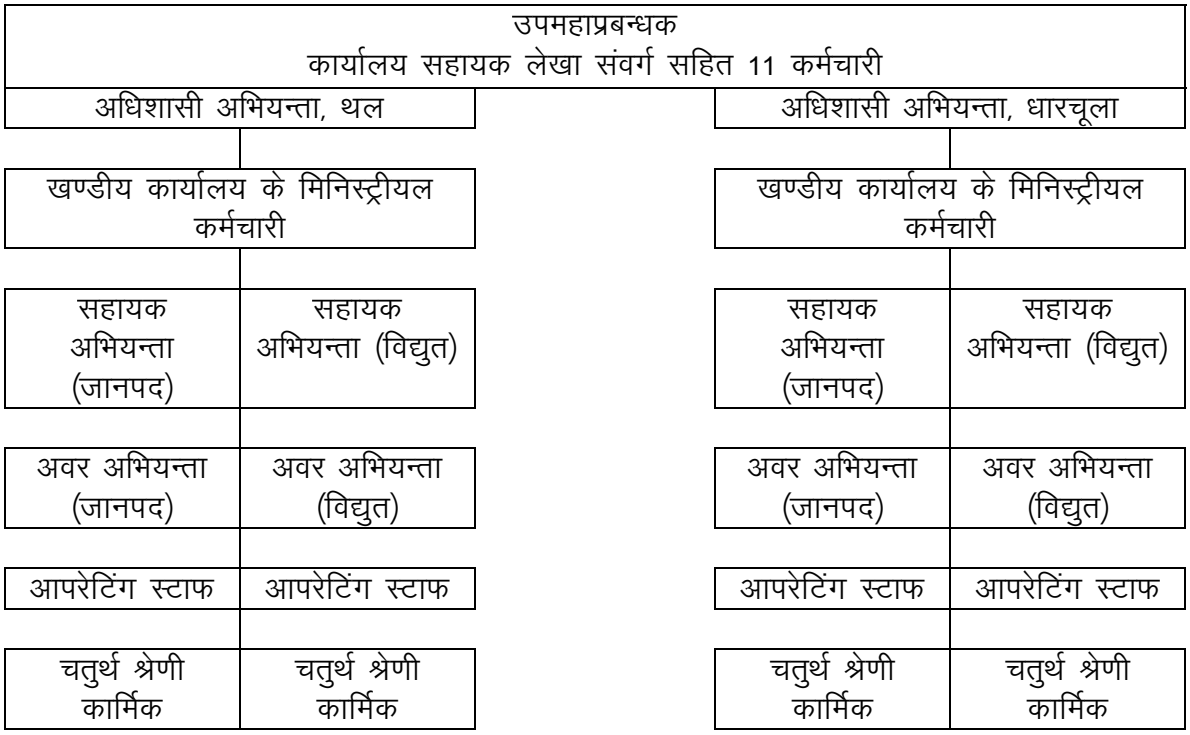

2.6 सम्पर्क सूचना

क्र. सं.	अधिकारी का नाम	पदनाम	सम्पर्क का प्रकार	सम्पर्क नम्बर	पते का प्रकार	पता
01.	श्री गजेन्द्र सिंह बुदियाल	प्रभारी उपमहाप्रबन्धक	कार्यालय	05964 228608	कार्यालय	यूजेवीएन लिमिटेड, गुलेरिया भवन, कैंट रोड, पिथौरागढ़
			निवास	05964 228443	निवास	गुॅज्याल खेडा,, तिलढुकरी, पिथौरागढ़
02.	श्री गजेन्द्र सिंह बुदियाल	अधिशासी अभियन्ता	कार्यालय	05964 277006	कार्यालय	यूजेवीएन लिमिटेड, पुराना बाजार, थल
			निवास	05964 277024	निवास	द्वारा कार्की फोटो स्टोडियो, बस स्टेण्ड, थल
03	श्री गजेन्द्र सिंह बुदियाल	अधिशासी अभियन्ता	कार्यालय	05967 220240	कार्यालय	यूजेवीएन लिमिटेड, हाट, धारचूला
			निवास	05967 220268	निवास	इन्सपैक्शन हाऊस, हाट, धारचूला

2.7 सांख्कीय :– जनरेशन से सम्बन्धित सूचना निम्नांनुसार है, (जनरेशन आंकड़े मीलियन यूनिट में है) :–

क्र. सं.	परियोजना का नाम	क्षमता (मेगावाट)	वर्ष 2010–11		वर्ष 2011–12		वर्ष 2012–13	
			लक्ष्य	लक्ष्य प्राप्ति	लक्ष्य	लक्ष्य प्राप्ति	लक्ष्य	लक्ष्य प्राप्ति
01	रेलागाड परियोजना	3.00	12.0000	5.0567		3.9310	5.0000	5.7521
02	कंचौटी परियोजना	2.00	11.4000	10.6290		9.5058	9.0000	9.5023
03	छिरकिला परियोजना	1.50	6.0000	2.2384		1.46626	0.8000	0.5600
04	कुलागाड परियोजना	1.20	4.4000	0.0000		0.0000	0.0000	0.0000
05	बरार परियोजना	0.75	2.7000	2.3699		1.2025	1.2000	1.3644
06	कोटाबाग परियोजना	0.20	0.3000	0.2261		0.2296	0.2200	0.1209
07	सप्तेश्वर परियोजना	0.30	0.2500	0.2320		0.1165	0.4500	0.0440
08	गरॉव परियोजना	0.30	0.6000	0.6633		0.4249	0.5000	0.5717
09	सुरिनगाड परियोजना	0.80	1.8500	0.2180		0.3070	0.8000	0.4201
10	गौडी परियोजना	0.20	0.3000	0.0000		0.0000	-	-
11	तालेश्वर परियोजना	0.60	1.4000	1.8275		2.2591	1.8000	1.5227
12	छडनदेव परियोजना	0.40	1.0000	1.2580		0.9432	0.8500	0.5076

2.8 ढॉचा :– विभाग का मुख्य कार्य जल स्रोतों से विद्युत उत्पादन करना है अन्यत्र स्थानों पर छोटी–बडी परियोजनायें हैं जबकि पिथौरागढ मण्डल के अन्तर्गत विभाग द्वारा छोटी–छोटी परियोजनाओं का निर्माण किया गया है जिनका विवरण निम्नलिखित प्रकार से है :–

क्र. सं.	परियोजना का नाम	क्षमता	परियोजना संचालित करने वाले खण्ड का नाम
01.	कंचौटी लघु जल विद्युत परियोजना	2x1000 किलोवाट	अधिशासी अभियन्ता, धारचूला
02.	छिरकिला लघु जल विद्युत परियोजना	1x1000+1x500 किलोवाट	अधिशासी अभियन्ता, धारचूला
03.	रेलागाड लघु जल विद्युत परियोजना	2x1500 किलोवाट	अधिशासी अभियन्ता, धारचूला
04	कुलागाड लघु जल विद्युत परियोजना	2x600 किलोवाट	अधिशासी अभियन्ता, धारचूला
05	बरार लघु जल विद्युत परियोजना	2x375 किलोवाट	अधिशासी अभियन्ता, थल
06.	गरॉव लघु जल विद्युत परियोजना	2x150 किलोवाट	अधिशासी अभियन्ता, थल
07.	छडनदेव लघु जल विद्युत परियोजना	2x200 किलोवाट	अधिशासी अभियन्ता, थल
08.	तालेश्वर लघु जल विद्युत परियोजना	2x300 किलोवाट	अधिशासी अभियन्ता, थल
09.	गौडी लघु जल विद्युत परियोजना	2x100 किलोवाट	अधिशासी अभियन्ता, थल
10.	सप्तेश्वर लघु जल विद्युत परियोजना	2x150 किलोवाट	अधिशासी अभियन्ता, थल
11.	सुरिनगाड लघु जल विद्युत परियोजना	2x400 किलोवाट	अधिशासी अभियन्ता, थल
12.	कोटाबाग लघु जल विद्युत परियोजना	2x100 किलोवाट	अधिशासी अभियन्ता, थल

2.9 विभागीय पते :–

क्र. सं.	कार्यालय का नाम एवं पता	दूरभाष संख्या	फैक्स नम्बर	ई–मेल आईडी
01.	महाप्रबन्धक (एस.एच.पी.), उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम लि0, ''उज्जवल'', जी0एम0एस. रोड, महारानीबाग, देहरादून	0135–2760864	0135–2760864	
02.	उपमहाप्रबन्धक, उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम लि0, कैंट रोड, पिथौरागढ़	05964-228608 (O) 05964-228443 (R)	05964–228608	
03.	अधिशासी अभियन्ता, उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम लि0, हाट, धारचूला	05967-220240 (O) 05967-220268 (R)	05967–220245	
04.	अधिशासी अभियन्ता, उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम, थल	05964-277006 (O) 05964-277024 (R)	05964–277006	

3. विभाग का प्रवाह :– विभाग का मुख्य उद्देश्य जल स्रोतों से विद्युत उत्पादन करना है, उसी तारतम्य में विभाग के दो खण्ड क्रमशः अधिशासी अभियन्ता, यूजेवीएन लिमिटेड, हाट धारचूला एवं अधिशासी अभियन्ता, यूजेवीएन लिमिटेड, थल में स्थापित किये गये हैं खण्ड धारचूला द्वारा निम्नलिखित परियोजनाओं का संचालन किया जा रहा है :–

1. 2x600 किलोवाट कुलागाड लघु जल विद्युत परियोजना
2. 2x1500 किलोवाट रेलागाड लघु जल विद्युत परियोजना
3. 1x1000+1x1000 किलोवाट छिरकिला लघु जल विद्युत परियोजना
4. 2x1000 किलोवाट कन्चौटी लघु जल विद्युत परियोजना

अधिशासी अभियन्ता, उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम लि0, थल के अन्तर्गत कार्यरत परियोजनाओं का विवरण निम्नलिखित प्रकार से है :–

1. 2x375 किलोवाट बरार लघु जल विद्युत परियोजना
2. 2x150 किलोवाट गॅराव जल विद्युत परियोजना
3. 2x400 किलोवाट सुरिनगाड लघु जल विद्युत परियोजना
4. 2x200 किलोवाट छडनदेव लघु जल विद्युत परियोजना
5. 2x300 किलोवाट तालेश्वर लघु जल विद्युत परियोजना
6. 2x100 किलोवाट गौडी लघु जल विद्युत परियोजना
7. 2x150 किलोवाट सप्तेश्वर लघु जल विद्युत परियोजना
8. 2x100 किलोवाट कोटाबाग लघु जल विद्युत परियोजना

4. परियोजनायें :–

1. इस जिले में सर्वप्रथम गौडी परियोजना (2x100 किलोवाट) का निर्माण किया गया है जो कि वर्तमान में चम्पावत जिले में स्थापित है, का निर्माण सन् 1962 में तत्कालीन उत्तर प्रदेशकिया गया।

2. इस जिले की दूसरी परियोजना सुरिनगाड (2x400 किलोवाट) लघु जल विद्युत परियोजना है जो कि मुनस्यारी तहसील में स्थित है जिसका निर्माण सन् 1986 में किया गया था जो कि आज भी मुनस्यारी क्षेत्र में जो अभी तक ग्रिड से नहीं जुड पाया है वहां की (मुनस्यारी क्षेत्र) विद्युत आपूर्ति इसी परियोजना से की जा रही है।

3. तीसरी लघु जल विद्युत कोटाबाग (2x100 किलोवाट) लघु जल विद्युत परियोजना है जो कि नैनीताल जिले में हल्द्वानी से लगभग 40 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है जिसका निर्माण सन् 1989 में हुआ।

4. चौथी परियोजना कंचौटी (2x1000 किलोवाट) लघु जल विद्युत परियोजना है, यह परियोजना धारचूला से लगभग 33 किलोमीटर दूर स्थित है जो कि सन 1993 से उत्पादनरत है।

5. पॉचवी परियोजना सप्तेश्वर (2x150 किलोवाट) लघु जल विद्युत परियोजना है, जो कि चम्पावत जिले में स्थापित है, जिसका संचालन सन् 1994 से किया जा रहा है।

6. छटी परियोजना कुलागाड (2x600 किलोवाट) लघु जल विद्युत परियोजना है, जो कि धारचूला तहसील के अन्तर्गत है, जिसका संचालन सन् 1995 से किया जा रहा है।

7. सातवीं परियोजना छिरकिला (1x1000+1x500 किलोवाट) लघु जल विद्युत परियोजना है जो कि धारचूला से 29 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, का संचालन सन् 1997 से किया जा रहा है।

8. आठवीं परियोजना बरार (2x375 किलोवाट) लघु जल विद्युत परियोजना है जो कि बेरीनाग तहसील के थल नामक स्थान पर स्थित है जो कि 1997 से उत्पादनरत है।

9. नवीं परियोजना छडनदेव (2x200 किलोवाट) लघु जल विद्युत परियोजना है जो कि कनालीछीना ब्लाक के अन्तर्गत आता है एवं कनालीछीना से लगभग 15 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है का संचालन सन् 2000 से किया जा रहा है।

10. दसवी परियोजना तालेश्वर (2x300 किलोवाट) लघु जल विद्युत परियोजना है जो कि झूलाघाट से लगभग 8 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है जिसका संचालन सन् 2000 से किया जा रहा है।

11 गरॉव (2x150 किलोवाट) लघु जल विद्युत परियोजना चम्पावत जिले में स्थित है जो कि सन् 2001 से उत्पादनरत है।

12. रेलागाड (2x1500 किलोवाट) लघु जल विद्युत परियोजना धारचूला से लगभग 15 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है जो कि सन् 2005 से उत्पादनरत है।

5. सेवायें :– सूचना शून्य

6. ट्रैनिंग :– ट्रैनिंग से सम्बन्धित सूचना शून्य समझी जाय

7. इन्सट्यूट :– सूचना शून्य समझी जाय

8. अन्य महत्वपूर्ण सूचनाः–

8.1 सूचना का अधिकार :– निगम मुख्यालय, देहरादून द्वारा सूचना अधिकार अधिनियम–2005 का 16 बिन्दुओं का मैनुवल प्राप्त होने के उपरान्त मुख्य विकास अधिकारी, पिथौरागढ़ को इस कार्यालय के पत्रांक 1348/उ0म0प्र0/डी0–1, दिनांक 19.09.2007 के द्वारा दो प्रतियों में प्रेषित किया जा चुका है

(गजेन्द्र सिंह बुदियाल)
प्रभारी उपमहाप्रबन्धक